# जी डी गोयनका पब्लिक स्कूल

कक्षा:नौवी (9th) विषय:हिंदी प्रकरण -एक फूल की चाह

पाठ की इकाइयाँ–

प्रथम अन्विति: (उद्वेलित कर.....जगते तारों से । )

- महामारी का फैलना।
- मृत बच्चों की माताओं का करुण रुदन ।
- सुखिया का बाहर खेलना। पिता की चिंता।
- सुखिया का बीमार पड़ना और देवी माँ के प्रसाद के फूल की इच्छा।
- सुखिया के पिता का चिंतित होना और उसे बचाने के उपाय सोचना

द्वितीय अन्विति: ( देख रहा था.....माता की महिमा के भी । )

- सुखिया के पिता का दुख।
- मंदिर का सौंदर्य और उत्सव।
- भक्तों का माता के गीत गाना।
- पुजारी से प्रसाद प्राप्त करना , पर पकड़ा जाना।
- सुखिया के पिता पर दोषारोपण।

तृतीय अन्विति : ( माँ के भक्त हुए.....तुझको दे न सका मैं हा ! )

- सुखिया के पिता को भक्तों का मारना - पीटना।
- सुखिया के पिता को न्यायालय ले जाया जाना।
- सुखिया के पिता को जेल दंड। फिर जेल से छूटना।
- मरघट में सुखिया की राख देखकर दुखी होना।

कवि परिचय :- सियारामशरण गुप्त का जन्म झाँसी के निकट चिरगाँव में सन् १८९५ में हुआ था। गुप्त जी की रचनाओं का प्रमुख गुण है कथात्मकता। इन्होंने सामाजिक कुरुतियों पर करारी चोट की है। इनके काव्य की पृष्ठभूमि अतीत हो या वर्तमान , उनमें आधुनिक मानवता की करुणा , यातना और द्वंद्व समन्वित रूप में उभरा है।सियाराम गुप्त की प्रमुख कृतियाँ हैं - मौर्य विजय , आर्द्रा , पाथेय , मृण्मयी , उन्मुक्त , आत्मोत्सर्ग , दूर्वादल और नकुल।

लेखक के बारे में दी गई जानकारी को अभ्यास-पुस्तिका में लिखना। इसे प्रिंट करने की ज़रूरत नहीं है।